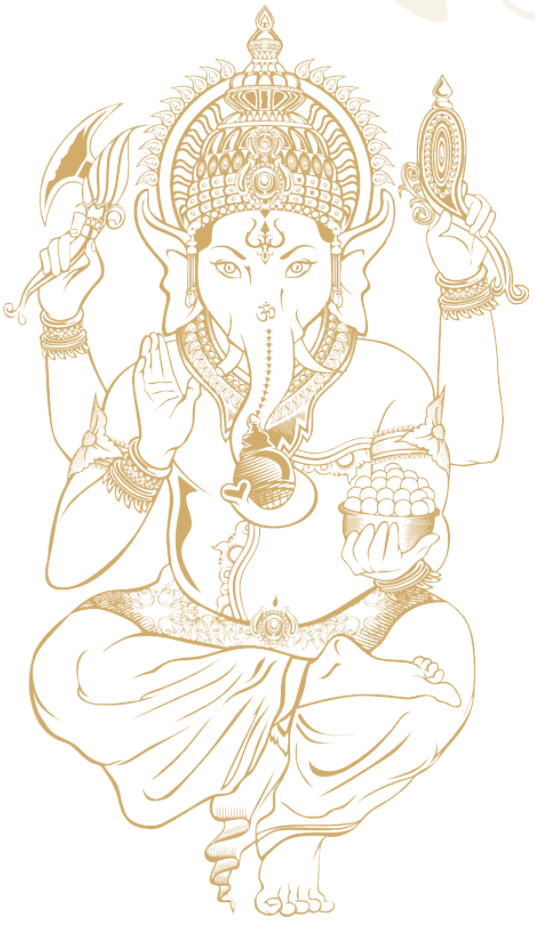

Abhyuday RKPuram

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121872902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/07/1992	जन्म तिथि	12/09/1998
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 12:10:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 16:06:10	जन्म समय(घटी)	31:18:57 घटी
India	देश	India
Rajgarh	स्थान	Kota
24:01:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
76:42:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:12	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:31	सूर्योदय	06:10:53
19:13:52	सूर्यास्त	18:33:42
23:45:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी बुध 2वर्ष 2मा 8दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि
सूर्य	21:50:28	कन्या	लग्न	कुंभ	29:03:40	राहु
19/09/2021	26:24:22	मिथु	सूर्य	सिंह	25:44:02	26/01/2009
20/09/2027	28:16:58	वृश्चि	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2027
सूर्य 07/01/2022	26:10:52	मेष	मंगल	कर्क	20:39:21	राहु 09/10/2011
चन्द्र 09/07/2022	21:22:36	कर्क	बुध	सिंह	14:01:36	गुरु 04/03/2014
मंगल 14/11/2022	17:47:24	सिंह	गुरु व	कुंभ	29:41:41	शनि 08/01/2017
राहु 08/10/2023	04:16:22	कर्क	शुक्र	सिंह	13:15:55	बुध 28/07/2019
गुरु 26/07/2024	23:13:23	मक व	शनि व	मेष	09:08:01	केतु 15/08/2020
शनि 08/07/2025	06:56:18	धनु	राहु व	सिंह	07:31:05	शुक्र 15/08/2023
बुध 15/05/2026	06:56:18	मिथु	केतु व	कुंभ	07:31:05	सूर्य 09/07/2024
केतु 20/09/2026	22:05:56	धनु व	हर्ष व	मक	15:29:45	चन्द्र 08/01/2026
शुक्र 20/09/2027	23:44:28	धनु व	नेप व	मक	05:46:21	मंगल 26/01/2027
	26:29:10	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	

लग्न-चलित

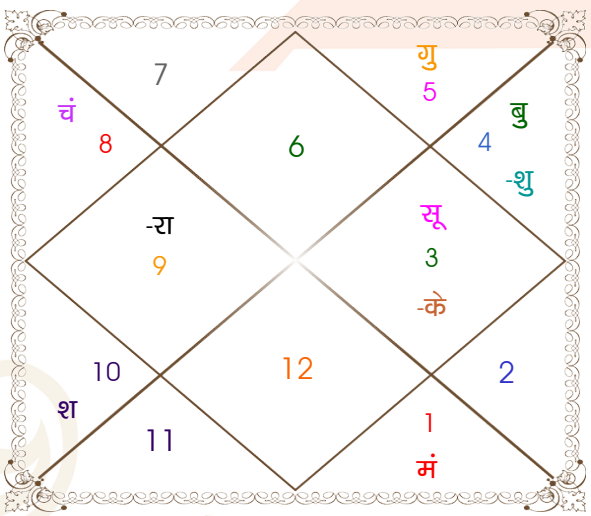

लग्न-चलित

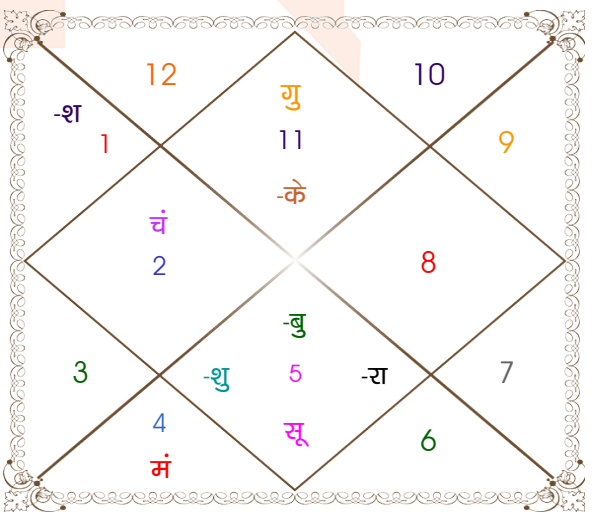

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

।ईलनकंल त्ञच्नतंउ का वर्ग मृग है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार ।ईलनकंल त्ञच्नतंउ और V का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

।ईलनकंल त्ञच्नतंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।ईलनकंल त्ञच्नतंउ कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि V कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता

है।

।ईीलनकंल त्झच्नतंउ तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।